अर्वाचीन वर्ल्ड स्कूल

सत्र -2020-21

कक्षा- आठवीं

विषय-हिन्दी

"प्रिय छात्रों हम आपका नयी कक्षा में आने पर हार्दिक स्वागत करते हैं , और आशा करते हैं कि आने वाला वर्ष आपके लिए शुभ हो ।हिंदी विभाग हार्दिक शुभकामनाओं के साथ नए पाठ्यक्रम की शुरूआत करने जा रहा हैं "।

" सच्ची हिम्मत शोर नहीं मचाती , बल्कि वह शांत प्रयत्न रूप में प्रकट होती है । यदि आप काम में लगे रहें तो आपको जानने का मौका मिलेगा कि आपकी अपनी शक्ति किस प्रकार समय पर काम आती है "।

"माता - पिता अपने खून - पसीने की कमाई लगाकर बच्चे को विद्यालय भेजते हैं ताकि वह वहाँ से कुछ बहुमूल्य चीज़ ला सके "।

" भविष्य उसका अच्छा है जो हौसले से आगे बढ़े"।

रजनी मट्टू

अभ्यास कार्य(worksheet)

प्र०1.अपठित पद्याँश-

अपने आचरण का मुझे बड़ा ख्याल रहता था| सदाचार में यदि भूल हो जाती तो मुझे रोना आता । यदि मुझ से कोई ऐसा काम बन पड़ता कि जिस के लिए शिक्षक को उलाहना देना पड़े अथवा उनका ऐसा ख्याल भी हो जाए , तो वह मेरे लिए असहय हो जाता । मुझे याद है कि एक बार मैं पिटा भी था । मुझे इस बात का तो दुख न हुआ कि पिटा , परंतु इस बाट का बड़ा दुख हुआ कि मैं इस दंड़ का पात्र समझा गया । राम - नाम जो आज मेरे लिए एक शक्ति बन गया है , उसका कारण यह कि हमेशा अनुशासन और आचरण के का ध्यान रखता था ।

>गाँधी जी को रोना क्यों आ जाता था ?

>किस चीज़ का ख्याल ज़्यादा रहता ?

>दुख कब असहय हो जाता ?

>राम - नाम किस कारण शक्ति बन गया ?

>गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

प्र०2.अपठित पद्याँश-

तब याद तुम्हारी आती है
जब बहुत सुबह चिड़ियाँ उठकर ,
कुछ गीत खुशी के गाती हैं ।
कलियाँ दरवाज़े खोल- खोल ,
जब झुरमुट से मुसकाती है।
खुशबू की लहरें जब घर से ,
बाहर आ दौड़ लगाती है ।
हे जग के सिरजनहार प्रभु !
तब याद तुम्हारी आती है !!

जब छम -छम बूँदें गिरती है ,
बिजली चम -चम कर जाती है ।
मैदानों में वन -बागों में ,
जब हरियाली लहराती है ।
जब ठंड़ी - ठंड़ी हवा कहीं से ,

मस्ती ढोकर लाती है ।

हे जग के सिरजनहार प्रभु !

तब याद तुम्हारी आती है !! (रामनरेश त्रिपाठी)

उपर्युक्त गद्याँश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

१. प्रात: काल के किस दृश्य की सुंदरता पर कवि मुग्ध है ?

२. किन पंक्तियों में कवि ने वर्षा के सौंदर्य का चित्रण किया है ?

३. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए -

खुशबू की लहरें जब घर से ,

बाहर आ दौड़ लगाती हैं ।

४. पर्यायवाची - ईश्वर , जंगल

५.इस कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं अपने शब्दों में लिखिए -

प्र०3. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए -

१. जिसे टाला न जा सके

२. जिसके आने की कोई तिथि न हो

३. जिसका वर्णन न किया जा सके

४. भीतर की बात जानने वाला

५. जो दिखाई न दे

प्र०4.नीचे लिखे सर्वनामों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

मेरा , जो कुछ , कोई-न-कोई , कुछ -कुछ , अपने आप

प्र०5.लिंग परिवर्तन कीजिए -

गायक , साधक , कुम्हार , परोपकारिणी , अधिकारी

प्र०6. दिए गए विराम चिह्नों के नाम लिखिए -

१. ।

२ "--------"

३. !

४. ,

५. ;

प्र०7.वाक्य रचना

पथ , कर्तव्य , सृष्टि , धैर्य , ज़िंदगी

प्र०8.निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

१. एक दिन कुछ जर्मन सिपाही आया ।

२. बालक साहसी था किंतु बड़ी साहसी था ।

३. सेनानायक ने उसे आज्ञा दिया ।

४. मुझे हँसी आ गया ।

५. पिताजी ने उसे मारी ।

प्र०9. अपनी कक्षा पर १५० शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए -